Total Pages : 3 Roll No. .....

PJ-102

फलित ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा/प्रमाण पत्र (DPJ/CPJ-12/16/17)

द्वितीय प्रश्नपत्र/प्रथम सेमेस्टर-सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. ज्योतिष शास्त्र को परिभाषित करते हुए उसके प्रमुख स्कन्धों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. चन्द्रमा का द्वादश भावों में फलादेश लिखिए।

3. पंचांग किसे कहते हैं? उसके अंगों की व्याख्या कीजिए।

4. ज्योतिष शास्त्र में कथित नवग्रहों का विस्तृत उल्लेख कीजिए।

5. तिथि एवं वार की सैद्धान्तिक विवेचना कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काल में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

2. ज्योतिष शास्त्र के प्रवत्तर्कों का उल्लेख कीजिए।

3. राशि एवं नक्षत्र किसे कहते हैं? वर्णन कीजिए।

4. प्रथम से पंचम भाव में वृहस्पति ग्रह के स्थिति का फलोदश लिखिए।

5. रूचक, भद्र, हंस, मालव्य एवं शश योग का उदाहरण सहित लेखन कीजिए।

6. तिथि एवं वार से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।

7. छत्र, गदा, गजकेसरी तथा अमलकीर्ति योग का वर्णन कीजिए।

8. करण का परिचय देते हुए उनके शुभाशुभ फल का उल्लेख कीजिए।